1. भारतीय समाज का परिचय

उपनिवेशवाद राष्ट्रवाद वर्ग एवं समुदाय

1. भारत मे ईस्ट इंडिया कम्पनी का शासन कब ब्रिटिश शासन के रूप मे परिवर्तित हुआ

उ॰- सन् 1858 ।

2. निम्नांकित मे से कौन सी एक दशा भारत मे औपनिवेशिक शासन का कारण नही था

उ॰- संस्कृतियो का प्रसार ।

3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना किसने की

उ॰- ए॰ ओ॰ ह्यूम ।

4. स्वतंत्रता आंदोलन के अंतर्गत डांडी यात्रा का संबंध भारत के किस प्रदेश से है

उ॰- गुजरात ।

5. ग्रामीण समुदाय को नगरीय समुदाय से पृथक करने का मुख्य आधार है

उ॰- व्यवसाय की प्रकृति ।

1. उपनिवेशवाद से आप क्या समझते हैं?

उ॰ सामान्य तौर पर उपनिवेशवाद एक ऐसी दशा है जिसमें एक क्षेत्र या राज्य का शासन किसी विदेशी सरकार द्वारा अपने स्वार्थों को पूरा करने के लिए किया जाता है इसे शासन का उद्देश्य भेद-भाव की नितियों के द्वारा उस क्षेत्र या राज्य के मूल निवासियों का आर्थिक और सामाजिक शोषण करके उन्हें कमजोर बनाना और सरकार द्वारा शक्ति के प्रयोग से अपने ताकत को निरन्तर बढ़ाना होता है।

2018 V.I.P

2. उपनिवेशवाद की परिभाषा दीजिए

उ॰ उपनिवेशवाद को विभिन्न समाज शास्त्रीय ने परिभाषित किया है प्रसिद्ध समाज शास्त्री J.A Hobson ने अपने पुस्तक Imperialism a study 1938 में "उपनिवेशवाद किसी विदेशी सरकार द्वारा अपने आधिपत्य

का दूसरे क्षेत्र में इस तरह प्रसार करना जिसमें इस क्षेत्र के लिए अपने सभ्यता के मूल्यों को विदेशी शासन के परिवेश में स्थापित करने लगे।

3. 2018 राष्ट्रवाद से आप क्या समझते हैं
उ. राष्ट्रवाद को परिभाषित करते हुए कहा जा सकता है कि राष्ट्रवाद चिन्तन की एक ऐसा दशा है जिसमें व्यक्ति अपने धर्म जाति या क्षेत्र के भावनाओं के ऊपर उठकर राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च निष्ठा रखते हैं।

4. होमरूल अथवा स्वराज आन्दोलन के संस्थापकों के नाम बताएँ
उ. होमरूल - एनी बेसन्त
स्वराज आन्दोलन :- बाल गंगाधर

2/18

1. ग्रामीण समुदाय से आप क्या समझते है

उ. भारतीय समाज की संरचना के निर्माण का सबसे बुनियादी आधार गाँव अथवा ग्रामीण समुदाय है। जब से विभिन्न मानव समूहो ने एक स्थान पर स्थायी रूप से बसाकर खेती करना शुरू की तभी से ग्रामीण समुदाय का विकास आरम्भ हो गया। यह वे समुदाय है जिनमे रहने वाले लोग मुख्य रूप खेती के द्वारा अपनी आजीविका उपार्जित करते है।

2/18

2. ग्रामीण समुदाय की प्रमुख विशेषताओ को बताइए

उ. ग्रामीण समुदाय की विशेषताएँ निम्नलिखित है:-

(i) ग्रामीण समुदाय मे कृषि मुख्य व्यवसाय है

(ii) प्रौद्योगिकी का अल्प विकास ग्रामीण समुदाय का दूसरा लक्षण है आमतौर पर ग्रामीण केवल कच्ची भांत उसी प्रौद्योगिकी मे

थे जिनका सम्बन्ध उनके कृषि व्यवसाय से होता है।

(iii) प्राकृतिक पर्यावरण पर निर्भरता पहले की तुलना में कुछ कम जरूरी हो गयी है।

(iv) ग्रामीण समुदाय का छोटा आकार केवल हमेशा से एक मुख्य विशेषता रही है।

(v) गाँव में परिवार सामाजिक की मुख्य आधार है

(vi) प्राथमिक सम्बन्धो की प्रधानता ग्रामीण समुदाय के संगठन का आधार है।

(vii) परम्परागत नियंत्रण की व्यवस्था की द्वारा ग्रामीण समुदाय में सामाजिक में रहने वाले लोगों का वास नियोजित ढंग से नही बसे होते है।

2018 U.P.

3. नगरीय समुदाय का विशेषताओं को बताइए

उ॰ वर्तमान समय में किसी भी समाज की संरचना में नगरीय

समुदाय का गठन अधिक होता है जा सकता है नगरीय समुदाय की संक्षिप्त निम्नलिखित विशेषताएं हैं।

(i) नगरीय समुदाय की सामाजिक संरचना का निर्माण उन सामाजिक और आर्थिक वर्गों के द्वारा होता है जिनकी स्थिति एक दूसरे से बहुत उच्च और निम्न होती है।

(ii) यह वह समुदाय है जिसमें लोगों के सम्बंधों औपचारिक तथा हित प्रधान होते हैं।

(iii) नगरीय समुदाय में एक खुला हुआ स्तरीकरण होता है।

(vi) व्यावसायिक आधार पर नगरीय समुदाय की प्रकृति बहुत भिन्नता पूर्ण होता है।

(v) नगरीय गतिशील नगरीय समुदाय की एक प्रमुख विशेषता है उसका तात्पर्य यह है कि व्यक्ति को योग्यता और कौशलता उसकी सामाजिक के अनुसार

स्थिति मे भी परिवर्तन होता रहता है

(vi) औपचारिक नियंत्रण नगरीय समुदाय का आधार है यहाँ केवल कुछ धार्मिक नियमो प्रथाओं के द्वारा लोगो के जीवन को नियन्तित नही किया जा सकता है